Multidisciplinary International Magazine
(Peer-Reviewed)
ISSN: 2454-2725, Impact Factor: GIF 1.888
www.jankriti.com
Volume 6, Issue 69-70, Jan-Feb 2021

JANKRITI जनकृति

बहु-विषयक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका
(विशेषज्ञ समीक्षित)
ISSN: 2454-2725, Impact Factor: GIF 1.888
www.jankriti.com
वर्ष 6, अंक 69-70, जनवरी-फरवरी 2021

Jankriti I जनकृति Issue 69-70 I अंक 69-70

बौद्धिक संपदा अधिकार

उर्मिला शर्मा

बौद्धिक संपदा किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा सृजित कोई संगीत, साहित्यिक कृति, कला, खोज, प्रतीक, नाम, चित्र, डिज़ाइन ,कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट आदि को कहते हैं। बौद्धिक संपदा एक वाक्यांश है जिसका उपयोग कानूनी अधिकारों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। यह अन्य वास्तविक सम्पत्ति की तरह उन कृतियों की रक्षा का अधिकार है। इस तरह के अधिकार को बौद्धिक संपदा कहा जाता है। इसके अंतर्गत कला, लेखन, अविष्कार, डिज़ाइन, विचार, संगीत या नृत्यकला, ब्रांड नाम आदि आता है। यदि किसी के पास अपने काम या विचारों पर कोई बौद्धिक संपदा है, तो दूसरों को इसका प्रयोग करने से पूर्व अनुमति लेनी होगी। अन्यथा उसपर कानूनी कार्यवाई की जा सकती है।

बौद्धिक संपदा अधिकार समाज द्वारा व्यक्तियों या संगठनों को मुख्यतः रचनात्मक कामों, आविष्कारों, साहित्यिक और कलात्मक कार्यों, प्रतीकों, नामों, छवियों तथा उपयोग किये गए अधिकारों से सम्मानित किया जाता है। वाणिज्य के क्षेत्र में वे निर्माता को सीमित अवधि के लिए अपनी संपत्ति का अनाधिकृत उपयोग से दूसरों को रोकने का अधिकार देता है।

बौद्धिक संपदा अधिकार की अवधारणा: इसकी अवधारणा हम सम्पत्ति से समझ सकते हैं। संपत्ति एक सम्पत्ति है जो स्वामित्व में हो सकती है। सम्पत्ति के दो प्रकार हैं - मूर्त व अमूर्त। मूर्त सम्पत्ति में वे चीजें शामिल हैं जिन्हें देखा व स्पर्श किया जा सकता है। यथा - अचल संपत्ति, कार, आभूषण, कपड़े वगैरह। अमूर्त संपत्ति वह है जिसे देखा नहीं जा सकता। अमूर्त संपत्ति के उदाहरणों में पुस्तकों, पत्रिकाओं या संगीत में निहित विचारधारा शामिल है।

इसमें कम्प्यूटर के कोडिंग भी सम्मिलित है। संपत्ति के इन अमूर्त रूपों को बौद्धिक सम्पत्ति कहते हैं। यह मानव मन के अनुप्रयोग द्वारा बनाई गई संपत्ति है। यह गैर भौतिक है और यह विचार से इसके मूल्य को प्राप्त करता है। बौद्धिक संपदा को विचारों या अभिव्यक्तियों में संपत्ति के रूप में चित्रित किया जा सकता है। यह मन की रचना है, उदाहरणार्थ एक तकनीकी नवाचार, एक कविता या एक डिज़ाइन। यह उन सम्पत्तियों के मालिक को अधिकार देकर उन व्यक्तियों और व्यवसायों के अधिकारों की रक्षा करता है जिन्होंने अपने विचारों को संपत्ति में बदल दिया है।

बौद्धिक संपदा के स्वरूप : इसके विभिन्न यूपी हैं जिनमें सुरक्षा के लिए पंजीकरण कराना पड़ता है। वे इस प्रकार है-

(क) पेटेंट- नई या बेहतर तकनीक के अविष्कारों की रक्षा के लिए पेटेंट

(ख) ट्रेडमार्क - वस्तुओं या सेवाओं की पहचान या स्रोत को अलग करने के लिए

(ग) अद्योगिक डिज़ाइन - लेख और उत्पादित वस्तुओं के डिज़ाइन की रक्षा के लिए अद्योगिक डिज़ाइन

(घ) नए पौधों की किस्मों की रक्षा के लिए प्लांट ब्रीडर के अधिकार।

बौद्धिक संपदा अधिकारों की आवश्यकता :

(क) सुरक्षा प्रदान करके मन के विभिन्न रचनात्मक प्रयासों के प्रति प्रोत्साहन प्रदान करना

(ख) ऐसे रचनाकारों को आधिकारिक मान्यता देने के लिए

(ग) महत्वपूर्ण जानकारी के भंडार का निर्माण करने के लिए

बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रकार :

1. कॉपीराइट (copyright Act,1957)
2. पेटेंट (The percent Act, 1970)
3. ट्रेडमार्क (Trademark Act, 1999)
4. व्यापार रहस्य
5. भौगोलिक संकेत
6. अद्योगिक डिज़ाइन

भारत में बौद्धिक संपदा अधिकार का स्वरूप इस प्रकार से है -

* The Copyright Act,1957
* The Petents Act, 1970
* Trade Marks Act, 1999
* The Designs Acts, 2000
* Geographical Conditions of Goods (registration & protection)Act, 1999
* The Semiconductor Intigrated Circuits Layout Design Act, 2000
* Biological Diversity Act, 2002
* The Protection of plant varieties and farmers Rights Act, 2001

(1) **कॉपीराइट :** यह कुछ श्रेणियों की कम की नकल और वितरण को रोकने का अधिकार है। यह समय की निर्दिष्ट अबधि के लिए प्रकाशित और अप्रकाशित कार्यो की निम्न श्रेणियों की सुरक्षा करता है।

क - साहित्यिक (ईमेल व समाचार पत्र लेख)

ख - नाटक सम्बन्धी कार्य

ग - म्यूजिकल वर्क्स (गाना, संगीत स्कोर व साउंड ट्रैक)

घ - कलाकारी सम्बन्धी (पेंटिंग, तस्वीरें आदि)

च - फिल्में (वीडियो और सिनेमा)

छ - ध्वनि रेकॉर्डिंग (मौखिक इतिहास और रेकॉर्ड किये व्याख्यान)

ज - प्रसारण (टी .वी, रेडियो)

कॉपीराइट विचारों की रक्षा नहीं करता है, सामग्री अथवा मूर्त रूप में परिवर्तित होने के पश्चात ही उसकी रक्षा की जाती है।

(2) पेटेंट - पेटेंट एक देश के लिए अविष्कार, उपयोग, निर्माण और बाजार के आविष्कार के स्वामी द्वारा दिया गया एक विशेष अधिकार है, बशर्ते अविष्कार कानून द्वारा निर्धारित कुछ शर्तों को संतुष्ट करता है। पेटेंट धारक की सहमति बगैर अविष्कार कानून द्वारा निर्धारित कुछ शर्तों को संतुष्ट करता है। पेटेंट धारक की सहमति के बिना अविष्कार को कोई और नहीं बना सकता है या उपयोग, निर्माण व विपणन नहीं कर सकता है।

पेटेंट से प्राप्त सुरक्षा की सीमित अवधि आमतौर पर 20 सालों के लिए होती है। सरकार के पास आविष्कार दर्ज रहते हैं। आमतौर पर एक पेटेंट कराने में एक वर्ष से अधिक समय लग सकता है।

(3) ट्रेडमार्क - ट्रेडमार्क विशिष्ट संकेतों के उपयोग करने के लिए विशिष्ट अधिकार प्रदान करते हैं, जैसे कि प्रतीक, रंग, अक्षर, आकार या नाम किसी उत्पाद के निर्माता की पहचान करने के लिए और इससे सम्बन्धी प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए। ट्रेडमार्क शब्दों, वाक्यांशों, प्रतीकों, लोगो, डिज़ाइन, चित्र या उपकरणों का एक संयोजन हो सकता है जिसका उपयोग किसी व्यक्ति, कानूनी इकाई या व्यावसायिक संगठन द्वारा सपने उत्पाद दूसरों से अलग किसी व्यक्ति, कानूनी लड़ाई या व्यावसायिक संगठन द्वारा अपने उत्पाद दूसरों से अलग करने हेतु किया जाता है। उदाहरणार्थ - कोई अपने 'लोगो' के माध्यम से नाइके, रिबॉक आदि के उत्पादों की पहचान कर सकता है, जो उनके उत्पादों पर उभरा होता है।

ट्रेडमार्क पंजीकृत होता है जो धारक को उसके उपयोग का विशेषाधिकार देता है। ट्रेडमार्क संरक्षण पंजीकरण के 10 सालों बाद तक रहता है और पेटेंट की तरह ही इसका नवीनीकरण किया जाता है।

(4) व्यापार गुप्त : व्यापार रहस्य डिज़ाइन, अभ्यास सूत्र, उपकरण, प्रक्रियाएं, व्यंजनों पैटर्न या विचार होते हैं जो एक कम्पनी द्वारा अपने प्रतिद्वंदियों पर आर्थिक लाभ हासिल करने के लिए उपयोग किये जाते हैं। यह अन्य प्रकार की बौद्धिक संपदा से भिन्न है, क्योंकि यह गुप्त रखने के लिए मालिक की जिम्मेदारी है और यह सरकारी नीतियों के माध्यम से संरक्षित नहीं है। एक बार ट्रेड सीक्रेट लीक हो जाने पर कोई भी व्यक्ति इसका उपयोग कर सकता है। पेटेंट के विपरीत, व्यापार रहस्य असीमित समय के लिए सुरक्षित है।

(5) अद्योगिक डिज़ाइन : एक अद्योगिक डिज़ाइन एक लेख का सजावटी या सौन्दर्यवादी पहलू है। अधौगिक डिज़ाइन उद्योग या अन्य लक्जरी आइटम , औद्योगिक और चिकित्सा उपकरण, घर के बर्तन, बिजली, फर्नीचर, वाहन, कपड़े, खिलौने आदि। डिज़ाइन अधिकार मालिक के पास किसी और चीज को डिज़ाइन को पुनः प्रस्तुत करने से रोकने का विशेष अधिकार है। 10- 15 वर्ष की अवधि के लिए अधिकार प्रदान किया जाता है। पंजीकरण के लिए डिज़ाइन का नया व मौलिक होने की जरूरत है।

बौद्धिक संपदा अधिकारों के लाभ : बौद्धिक संपदा (I P) एक शब्द है जिसमें कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिज़ाइन, सर्किट लेआउट अधिकार तथा व्यापार रहस्य सम्मिलित है। इनमें से प्रत्येक शब्द एक अलग प्रकार की संपत्ति को कवर करता है जो ज्ञान से निर्मित है। इसके निम्न प्रकार हैं -

(क) बौद्धिक संपदा अधिकार निर्माता या अविष्कारक को विशेषाधिकार देता है, जस वे गोपनीय रखने के बजाय सूचना आर डेटा को वितरित करने और साझा करने के लिए प्रेरित करते हैं।

(ख) यह कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है और उन्हें अपने काम का प्रोत्साहन प्रदान करता है।

(ग) बौद्धिक संपदा अधिनियम के अनुसार दिए गए अधिकारों से सामाजिक और आर्थिक विकास में मदद मिलती है।

बौद्धिक संपदा उल्लंघन : साधारणतया आई पी मालिक के प्राधिकरण के बिना एक पेटेंट अविष्कारक, कॉपीराइट कार्य या ट्रेडमार्क का उल्लंघन का गठन करता है। उल्लंघन की स्थिति में उल्लंघनकर्ता के खिलाफ एक नागरिक कार्यवाई कर सकता है। उल्लंघनकर्ता के उल्लंघन अधिनियम रोकने, किये गए नुकसान को मिटाने सार्वजनिक माफी या क्षतिपूर्ति के लिए आदेश, गैरकानूनी लाभ को जब्त करना, जुर्माना और मुआवजा शामिल है।

बौद्धिक संपदा उल्लंघन मामलों में बातचीत सबसे सरल और सस्ता संभव उपाय है। यह उल्लंघन निम्न प्रकार के हो सकते हैं :

(1) कॉपीराइट का उल्लंघन - कॉपीराइट निर्माता को कम को शुरू करने , प्रतियां बनाने, अनुवाद करने, अनुकूलन करने, बेचने या किराए पर देने या सार्वजनिक करने के लिए काम करने का अधिकार देता है। कानून में 'use' उचित उपयोग का प्रावधान है जो शिक्षण और अनुसंधान और विकास के लिए कॉपीराइट कार्य का उपयोग करने की अनुमति देता है।छात्रों को पढ़ाने के लिए एक पुस्तक की एक फ़ोटोकॉपी बनाना एक उल्लंघन नहीं मन जाएगा, लेकिन व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए कई फ़ोटोकॉपी बनाना उल्लंघन माना जायेगा।

(2) पेटेंट का उल्लंघन - पेटेंट प्रद्योगिकी हस्तांतरण एयर निवेश, अनुसन्धान और विकास और नई प्रद्योगिकियों की खोज को प्रोत्साहन करके आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि कोई पेटेंट धारक द्वारा गतिविधि को रोकने और निषेध करने के लिए निषेधाज्ञा शामिल है, उल्लंघन के लिए क्षतिपूर्ति और यहाँ तक की वकील की फीस भी।

(3) ट्रेडमार्क उल्लंघन - ट्रेडमार्क उल्लंघन तब हो सकता है जब एक पक्ष, 'उल्लंघनकर्ता', ट्रेडमार्क का उपयोग करता है जो उत्पादों का सेवाओं के सम्बंध में किसी अन्य पार्टी के स्वामित्व वाले ट्रेडमार्क के समान या भ्रामक होता है, जो उत्पादों या सेवाओं के समान है, जो पंजीकरण को कवर करता है। तब ट्रेडमार्क का मालिक उस पार्टी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर सकता है जो उसके पंजीकरण का उल्लंघन करती है।

बौद्धिक संपदा के सम्बंध में लोगो में जानकारी का अभाव है। बौद्धिक संपदा अधिकार से सम्बंधित बहुत से कार्यक्रम अनुसन्धान या तो व्यक्तिगत प्रयास द्वारा किये जा रहे हैं या प्रायोजित अनुसंधान है, जिसका एक सीमित क्षेत्र है। अकादमिक या अनुसंधान गतिविधियों के लिए बौधिकता वाले मानव संसाधनों की आवश्यकता होती है तभी बौद्धिक संपदा वाले मानव संसाधनों की आवश्यकता के अनुसार होती है तभी बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में बहुआयामिता एवं परिपक्व और गतिविधियां सामने आती हैं। वर्तमान में भारत में आई. पी. शिक्षा प्रदान करने वाले क्षेत्र कम हैं। पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश अनिल कुमार उपाध्याय ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में लोगों के बीच जागरूकता की जरूरत है। बुद्धि की शक्ति से हम कुछ भी बेहतर करने में सक्षम हैं। इस सम्पदा से विश्व को फायदा हो रहा है। जस्टिस मृदुला सिंह ने कहा कि पहले बौद्धिक संपदा लोकप्रिय नहीं था। आज इसका महत्व बढ़ गया है। जिससे नए- नए पेटेंट सामने आ रहे हैं। 'उबर' टैक्सी कम्पनी के सम्बंध में यह उल्लेखनीय है कि भौतिक रूप से इस कंपनी के पास एक भी वाहन नहीं है किंतु बौद्धिक संपदा अधिकार के मदद से यह सबसे बड़े जन परिवहन के रूप में कार्य कर रही है। आज बाजार में प्रतिस्पर्धा काफी बढ़ गयी है। बौद्धिक संपदा अधिकार के द्वारा हम व्यक्तिगत हितों की सुरक्षा पाते हैं तथा सामाजिक दायित्वों का निर्वाह भी करते हैं। बौद्धिक संपदा अधिकार का मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में लोगों को जागरूक बनाने की आवश्यकता है जिससे अधिक लोगों इसका लाभ मिल सके।

परिचय: डॉ उर्मिला शर्मा, सहायक प्राध्यापक, अन्नदा कॉलेज, पी एच-डी., नेट - उत्तीर्ण, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों में आलेख प्रस्तुति, कविता व कहानी लेखन, आकाशवाणी से समय - समय पर वार्ता प्रसारित।

सन्दर्भ :

(1) www.livehindustan.com, 24 सितंबर-2018
(2)www bussinessmanagentidea.com
(3) ipindia.nic.in
(4) hi.m.wikipedia.org
(5)www.mondaq.com,India: intellectual property rights, 10 march 2020